'केवट प्रसंग' का प्रतिपाद्य लिखिए ।

(iii) 'नर हो न निराश करो मन को' कविता में निहित संदेश को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'धूप' कविता में चित्रित ग्राम्य जीवन को स्पष्ट कीजिये ।

(iv) 'बालिका का परिचय' कविता का मूल भाव लिखिए।

अथवा

'वह तोड़ती पत्थर' कविता में चित्रित श्रम - चेतना को स्पष्ट कीजिये।

3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए (कोई तीन) (6×3=18)

(क) बिहारी हिंदी

(ख) सूफी काव्य

(ग) आदिकाल की काव्य प्रवृतियां

(घ) भारतेन्दुयुगीन काव्य

(ङ) केदारनाथ अग्रवाल

[This question paper contains 4 printed pages.]

25 JUL 2023

Your Roll No. ....

Maitreyi College LIBRARY Chanakya Puri, New Delhi-110021

Sr. No. of Question Paper : 2068

Unique Paper Code : 2055201002

Name of the Paper : हिंदी भाषा और साहित्य (ब) (B)

Type of the Paper : GE

Name of the Course : **बी.ए. (प्रोग्राम) हिंदी**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये :

(i) सतगुरु हम सूं रीझि करि, एक कह्या प्रसंग ।

बरस्या बादल प्रेम का, भीजी गया सब अंग ।।

P.T.O.

munotes.in

अथवा

कृपासिंधु बोले मुसुकाई। सोइ करुजेहिं तव नाव न जाई।

बेगि आनु जल पाय परवारू। होत बिलंबु उतारहि पारू।।

(ii) संभलो कि सुयोग न चला जाए

कब व्यर्थ हुआ सदुपाय भला

समझो न जग को निरा सपना

पथ आप प्रशस्त करो अपना

अखिलेश्वर हैं अवलंबन को

नर हो न निराश करो मन को ।

अथवा

धूप चमकती है चांदी की साड़ी पहने

मैके में आयी बेटी की तरह मगन है

फूली सरसों की छाती से लिपट गयी है

जैसे दो हमजोली सखियाँ गले मिली हैं

(iii) यह मेरी गोदी की शोभा, सुख सोहाग की है लाली

शाही शान भिखारिन की है, मनोकामना मतवाली ।

दीपशिखा है अँधेरे की, घनी घटा की उजियाली

उषा है यह काल भृंग की, है पतझर की हरियाली।

अथवा

देखते देखा मुझे तो एक बार

उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार

देखकर कोई नहीं,

देखा मुझे उस दृष्टि से

जो मार खा रोयी नहीं

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये । (12×3=36)

(i) हिंदी भाषा पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए।

अथवा

निर्गुण भक्तिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृतियों का विवेचन कीजिए।

(ii) कबीर की साखियों के आधार पर गुरु का महत्व स्पष्ट कीजिये।

अथवा

munotes.in